23

सचमुच कमाल करते हैं रेगिस्तानी पौधे

अगर प्रकाश संश्लेषण करना है तो पानी ज़रूरी है, सूर्यप्रकाश ज़रूरी है और कार्बन डाइऑक्साइड ज़रूरी है। अब देखें रेगिस्तान में क्या होगा? वहां सूर्य प्रकाश की तो कोई कमी है नहीं। पानी ज़रूर बहुत कम होता है, जो भी है उसे जड़ें पत्तियों तक पहुंचा देती हैं। तेज़ गर्मी की वजह से जिन स्टोमेटा से कार्बन डाइऑक्साइड अंदर आती है उन्हीं से लगभग 90 प्रतिशत जल वाष्प बाहर निकल जाती है। ऐसे हालात से मुकाबला करने का एक तरीका तो यही हो सकता है कि पौधे दिन के समय स्टोमेटा बंद रखें। लेकिन फिर भोजन निर्माण कैसे होगा! ऐसे में रेगिस्तानी पौधों में कैसे संभव हो पाती है यह प्रक्रिया, पढ़िए इस लेख में।

67

समानता

मानव के इतिहास के दौरान इंसान-इंसान के बीच गैर-बराबरी विभिन्न स्वरूपों में देखने को मिलती है मसलन - जाति, लिंग भेद, शासक-शासित, रंगभेद ....। क्या हमारा समाज शुरू से ही ऐसा था, होमो सेपियन की स्वाभाविक प्रवृत्ति है यह क्या?

ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले नगात्जतजारा समूह, अफ्रीका में रहने वाले बंटु समुदाय, मध्यकालीन इंग्लैंड, औद्योगिक क्रांति के दौर व आज के युग - इन सब उदाहरणों के ज़रिए लेखक ने देखने-समझने की कोशिश की है कि समानता या बराबरी का सिद्धांत किस तरह से पिछले कुछ हज़ार वर्षों में, किन पड़ावों से होकर आज के मुकाम तक पहुंचा है।

शैक्षणिक संदर्भ

अंक: 55 जून-सितंबर 2006

इस अंक में

4 | **आपने लिखा**

12 | **प्लूटो - खोज के छियत्तर साल...**
टी. वी. वैंकटेश्वरन्

22 | **नेपच्यून ग्रह के वलय**
मार्टिन गार्डनर

23 | **सचमुच कमाल करते हैं रेगिस्तानी पौधे**
किशोर पंवार

33 | **शून्य + शून्य + शून्य + शून्य + . . .**
जयश्री सुब्रह्मण्यन

39 | **डायोड, ट्रांज़िस्टर एवं परिपथ**
राजश्री राजगोपाल

53 | **मेरा विद्यालय**
रविंद्रनाथ टैगोर

67 | **समानता**
अमन मदान

81 | **एक अकादमी के लिए रपट**
फ्रैंज़ काफ्का

93 | **काले फीते के बहाने**
सुजाता लोहकरे

95 | **कीट-जगत का बगुला भगत**
किशोर पंवार